



पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड
ति 4 वि व 19-20 ट्रांसक्रिप्ट

पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड की
चौथी तिमाही और वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए
कॉन्फ्रेंस कॉल
24 जून, 2020



 Prabhudas
Lilladher
POWERING YOUR FINANCIAL GROWTH

प्रबंधन : पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन की टीम

- श्री आर एस ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
- श्री एन बी गुप्ता - निदेशक (वित्त)
- श्री पी के सिंह - निदेशक (वाणिज्यिक एवं अतिरिक्त प्रभार परियोजना)

संचालक : सुश्री श्वेता दफ्तरदार- प्रभुदास लीलाधार प्राइवेट लिमिटेड



पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड की तिमाही 4 वित्तीय वर्ष 20 की अर्निंग कॉल में आप सभी का स्वागत है। आज हमारे साथ पीएफसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री रविन्द्र सिंह ढिल्लों, निदेशक (वित्त), श्री एन बी गुप्ता, श्री पी के सिंह निदेशक (वाणिज्यिक और अतिरिक्त प्रभार परियोजना) मौजूद हैं। अब अधिक समय न लेते हुए मैं अनुरोध करता हूँ महोदय अब आप कुछ कहें।

सभी को नमस्कार, इस कॉन्फ्रेंस कॉल में भाग लेने के लिए मैं आप सभी का धन्यवाद करता हूँ। मुझे उम्मीद है कि आप सभी इस मौजूदा कोविड-19 परिस्थिति के दौरान सुरक्षित और ठीक हैं।

सबसे पहले, मैं पीएफसी के नए सीएमडी के रूप में अपना परिचय देना चाहूँगा। मैंने अभी हाल ही में मई में सेवानिवृत्त हुए श्री राजीव शर्मा का स्थान लिया है। मुझे आशा है कि भविष्य में आप सभी के साथ एक उपयोगी बातचीत होगी।

इस अप्रत्याशित परिस्थिति में, लॉकडाउन के दौरान, हमारे व्यवसाय को हमेशा की तरह जारी रखने के लिए कंपनी व्यापी प्रयास किया गया था। मैं कोविड स्थिति का प्रबंधन करने के लिए पीएफसी द्वारा की गई कार्रवाइयों के बारे में बात करके इस कॉल को शुरू करना चाहूँगा पीएफसी, अपनी तकनीकी क्षमताओं का शीघ्रता से लाभ उठाते हुए, लॉकडाउन अवधि में रिमोट तरीके से अपने सभी प्रचालनों का प्रबंधन करने में सक्षम हुआ है। इसलिए, पीएफसी के व्यावसायिक कार्य मोटे तौर पर कोविड-19 लॉकडाउन के कारण अप्रभावित रहे हैं, और हम सहज रूप से अपने व्यवसाय का संचालन करने में सक्षम हुए हैं।

यह इस तथ्य से पता चलता है कि पीएफसी ने मार्च 20 के अंतिम सप्ताह में ही 11000 करोड़ रुपए का संवितरण किया है। यह वास्तव में, मार्च 19 की इसी अवधि के दौरान किए गए संवितरण से अधिक है। हम सुनिश्चित कर रहे हैं कि घर से ही कार्य करते हुए और कम स्टाफ के साथ कार्यालय चलाते हुए व्यवसाय को जारी रखा जाए। हम सोशल डिस्टेंसिंग के साथ कोविड-19 संबंधी सरकारी दिशा-निर्देशों का पालन कर रहे हैं।

यद्यपि, लॉकडाउन की बात करें तो, अर्थव्यवस्था में सामान्य मंदी आई है और परिणामस्वरूप विद्युत क्षेत्र में भी, लेकिन अब तक, हमने पीएफसी व्यवसाय पर कोई बड़ा प्रभाव नहीं देखा है। अब लॉकडाउन में छूट दी जा रही है और स्थिति आ रही है, हम व्यापार प्रचालनों पर प्रभाव का आकलन करने के लिए स्थिति को मॉनीटर करेंगे।

इन मुश्किल हालातों में, सरकार और विभिन्न नियामक अर्थव्यवस्था और व्यवसायों को चालू रखने के लिए विभिन्न उपायों को शुरू करके सक्रिय रूप से प्रतिक्रिया दे रहे हैं। नकदी प्रवाह की बाधाओं को दूर



करने के लिए, आरबीआई ने एनबीएफसी सहित ऋण देने वाले संस्थानों को 1 मार्च, 2020 और 31 अगस्त, 2020 के बीच होने वाले सभी भुगतानों पर अपने ऋणकर्ताओं को छह महीने का अधिस्थगन प्रदान करने की अनुमति दी है।

विद्युत मंत्रालय और एमएनआरई भी विभिन्न विद्युत क्षेत्र की एंटिटियों द्वारा सामना की जा रही चुनौतियों को कम करने के लिए विभिन्न उपायों लेकर आए हैं। उनमें से कुछ देरी से भुगतान अधिभार में कमी, निर्धारित प्रभारों की छूट, और ब्याज दर प्रभार, नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन सुविधाओं की “मस्ट रन” स्थिति सुनिश्चित करना आदि हैं।

इसके अतिरिक्त, जैसा कि आप सभी जानते हैं, सरकार ने डिस्कॉम के लिए 90,000 करोड़ रुपए के चलनिधि पैकेज की घोषणा की है, जिसके लिए पीएफसी और आरईसी प्रमुख कार्यान्वयन एजेंसियां हैं। मुझे उम्मीद है कि इससे क्षेत्र में नकदी प्रवाह की स्थिति में काफी सुधार होगा। पीएफसी इन लाभों को अपने ऋणकर्ताओं तक पहुँचाने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है।

मैं बताना चाहूंगा कि डिस्कॉम पैकेज के अंतर्गत 45,000 करोड़ रुपए के पीएफसी के हिस्से के निमित्त ऋण देने के लिए, पीएफसी ने डिस्कॉम को ऋण देने के लिए एक योजना तैयार की है। ऋण डिस्कॉम की बकाया राशि के निमित्त 10 वर्ष तक की अधिकतम अवधि के लिए बढ़ाया जाएगा। इस तरह के ऋण वाणिज्यिक निबंधन और शर्तों पर होंगे और राज्य सरकार गारंटी द्वारा समर्थन के अधीन होंगे। ऋण देने पर विचार करना राज्य सरकार की गारंटी के साथ है, इसका पीएफसी की पूंजी पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। इसके अलावा, आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार, पीएफसी ने अपने ऋणकर्ताओं को अधिस्थगन विकल्प प्रदान किया है। अब तक, पीएफसी द्वारा प्राप्य देय राशि के लगभग 70% तक अधिस्थगन बढ़ा दिया गया है।

चलनिधि की बात करें तो मैं बताना चाहूंगा कि पीएफसी की ऋण राशि लॉकडाउन के दौरान भी जारी रही है। इसके अतिरिक्त, चालू वित्तीय वर्ष 2021 के दौरान, हम सफलतापूर्वक बॉण्ड और सावधि ऋण के मिश्रण के माध्यम से घरेलू बाजार से लगभग 29,000 करोड़ रुपए जुटाने में सफल रहे हैं। साथ ही, बैंकों से हमारे पास उपलब्ध 10,000 करोड़ रुपए की क्रेडिट लाइन है। इसके अलावा, हमारे पास बैंकों से लगभग 9,500 करोड़ रुपए के सावधि ऋण की संस्वीकृति प्रक्रियाधीन है। इस प्रकार, आगे बढ़ते हुए, मुझे विश्वास है कि हम अपने व्यावसायिक कार्यों को पूरा करने के लिए पर्याप्त चलनिधि स्तर प्राप्त कर सकेंगे। एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट के नाते, हमने कोविड के दौरान अपना कार्य करने का भरसक प्रयास किया और पीएम केयर्स फंड में 200 करोड़ रुपए करोड़ का योगदान दिया।

अब वित्तीय कार्य-निष्पादन की बात करें तो; वित्तीय वर्ष 18-19 में हमें 28,432 करोड़ रुपए की तुलना में वित्तीय वर्ष 19-20 में 31,950 करोड़ रुपए की ब्याजगत आय हुई है। हमारा कर पश्चात वार्षिक लाभ 5,655 करोड़ रुपए है। इस संबंध में, मुझे लगता है कि लाभ के लिए आस्थगित कर परिसंपत्तियों अर्थात



डीटीए के पुनर्मापन के प्रभाव का उल्लेख करना उचित है। पीएफसी ने कम कॉर्पोरेट कर दरों को लागू करने के लिए अपनाया है, जिसे सितंबर 2019 में शुरू किया गया था।

तदनुसार, कॉर्पोरेट कर की दरें 1 अप्रैल, 2019 से 34.94% से घटाकर 25.97% कर दी गई है, जबकि इसके साथ ही महत्वपूर्ण कर बचत अब से पीएफसी को प्राप्त होगी, लेकिन यह भी कम कर दरों पर आस्थगित कर परिसंपत्तियों के पुनर्मापन के एक बार के प्रभाव के साथ होगा। लाभ पर ऐसे डीटीए के पुनर्मापन का प्रभाव 1,133 करोड़ रुपए के आसपास है। तदनुसार, डीटीए प्रभाव को छोड़कर, वित्तीय वर्ष 19-20 के लिए पीएटी रिपोर्ट किए गए 5,655 करोड़ रुपए के पीएटी की तुलना में 6,788 करोड़ होगा।

हमारे वित्तीय संकेतकों पर, वित्तीय वर्ष 19-20 में, हमारी वार्षिक प्राप्ति (यील्ड) 10.63% है और पिछले वर्ष की तुलना में स्थिर सीमा के भीतर बनी हुई है। पीएफसी की निधियों की लागत भी निरंतर कम हो रही है। वित्तीय वर्ष 2020 में निधियों की लागत 16 बीपीएस घटकर वित्तीय वर्ष 2019 में 7.95% से लगभग 7.79% हो गई है।

इसके अतिरिक्त, प्राप्ति के निरंतर स्तर और लागत को कम करने के साथ, एक वर्ष की अवधि के दौरान स्प्रेड में 15 बीपीएस बढ़कर वित्तीय वर्ष 2019 में 2.67% से 2020 से 2.83% तक की वृद्धि हुई है। मेरा मानना है कि, आगे जाकर, हम इस सीमा के भीतर अपने वित्तीय संकेतकों को मॉटेन रखने में समर्थ होंगे।

एक और बात में पीएफसी के सीआरएआर पर एक अपडेट देना चाहूंगा। वित्तीय वर्ष 18-19 में 17.09% की तुलना में वित्तीय वर्ष 19-20 का सीआरएआर 16.96% है। सीआरएआर स्तर में यह अचानक गिरावट नियामक परिवर्तन के कारण है। सीआरएआर के कम होने का प्रमुख कारण आरबीआई द्वारा हाल ही में 13 मार्च, 2020 को शुरू किए गए बदलाव हैं, सीआरएआर के अंतर्गत स्वयं की निधियों की गणना से वित्तीय लिखतों के उचित मूल्यांकन पर किसी भी तरह के निवल अप्राप्त लाभ के अपवर्जन के लिए, जबकि ऐसे सभी निवल नुकसानों पर विचार किया जाना चाहिए। वित्तीय वर्ष 19-20 के लिए निवल उचित मूल्यांकन प्राप्तियों को शामिल करने के बाद, सीआरएआर लगभग 40 बीपीएस हो जाएगा।

कुल मिलाकर, वर्ष के दौरान विभिन्न चुनौतियों के बावजूद, पीएफसी इस वर्ष पर्याप्त वित्तीय निष्पादन करने में सक्षम रहा है।

अब, परिसंपत्ति गुणवत्ता की बात करें तो इन वर्षों में, हम एनपीए परिसंपत्तियों के समाधान और पर्याप्त प्रावधान बफर के निर्माण पर लगातार कार्य कर रहे हैं। तीन वर्षों में, पीएफसी का निवल एनपीए स्तर वित्तीय वर्ष 17-18 में 7.39% से घटकर 3.8% पर आ गया है। यह इन तीन वर्षों में सबसे कम निवल एनपीए अनुपात है।

इस तिमाही में एक और सकारात्मक विकास यह हुआ कि हम 224 करोड़ रुपए के आरएस इंडिया ऋण में समाधान पर पहुंच गए हैं, जो कि 41 मेगावाट की पवन ऊर्जा परियोजना है। सफल बोलीदाता को



एलओआई जारी कर दिया गया है, और समाधान के लिए निश्चित समझौते पर हस्ताक्षर किए जा रहे हैं। हमने इस परियोजना के निमित्त पहले से ही पर्याप्त प्रावधान मेंटेन किए हुए हैं।

अब दूसरी 28 परियोजनाओं के समाधान की स्थिति पर बात करते हैं, वर्तमान में, 16,138 करोड़ रुपए की 16 परियोजनाओं का एनसीएलटी के माध्यम से समाधान किया गया है और 11,511 करोड़ रुपए की शेष 12 परियोजनाओं का एनसीएलटी के बाहर समाधान किया जा रहा है।

इन परियोजनाओं में से, मैं उन छह परियोजनाओं पर एक अपडेट देना चाहूंगा, जिनमें हम कोविड लॉकडाउन से पहले समाधान के करीब थे, और जिनका विवरण तिमाही3 के लिए अंतिम अर्निंग कॉल में साझा किया गया है। 6,578 करोड़ रुपए की तीन परियोजनाएँ, अर्थात 5,207 करोड़ रुपए की आरकेएम पावरजेन, 959 करोड़ रुपए की इंडिया पावर हल्दिया और 412 करोड़ रुपए की एस्सार ट्रांसमिशन, जिनका एनसीएलटी के बाहर समाधान किया गया था, समाधान योजना को ऋणदाताओं द्वारा अनुमोदित कर दिया गया है।

2,518 करोड़ रुपए की तीन परियोजनाओं में, जिनका एनसीएलटी के माध्यम से समाधान किया जा रहा है, 1,368 करोड़ रुपए की इंड बरथ उत्कल, 764 करोड़ रुपए की झाबुआ पावर, और 386 करोड़ रुपए की जल पावर। एनसीएलटी में सफल बोली लगाने वालों की पहचान की गई है या अंतिम रूप दिया जा रहा है। इन छह परियोजनाओं के समाधान से उम्मीद है कि एनपीए के स्तर में सुधार होगा।

हालांकि कोविड परिस्थिति के कारण, समाधान प्रक्रिया थोड़ी धीमी हो गई है, लेकिन मैं आपको आश्वासन दे सकता हूँ कि हम उनका जल्द से जल्द समाधान करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि हम आने वाले महीनों में उपर्युक्त कुछ परियोजनाओं में समाधान तक पहुंच पाएंगे।

ऋण पोर्टफोलियो आते हुए; वित्तीय वर्ष 20-21 में, अब तक, अनुमोदित ऋण कार्यक्रम के अनुसार, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों से 90,000 करोड़ रुपए निधि जुटाव की परिकल्पना की गई है। अप्रैल 2020 से अब तक पीएफसी ने घरेलू बाजार से 29,000 करोड़ रुपए के करीब राशि का जुटाव किया है। इसके अतिरिक्त, बैंकों से 9,500 करोड़ रुपए के सावधि ऋण संस्वीकृतियां वर्तमान में चल रही हैं।

इसके अतिरिक्त, वार्षिक ऋण सर्विसिंग दायित्वों के 50% के करीब पहले से ही पूरा किया गया है। इसके अलावा, जुटाने के संबंध में, मैं यह उल्लेख करना चाहूंगा कि हम 54EC पूंजीगत लाभ बॉण्ड के अंतर्गत अपनी फंडिंग बढ़ाने पर सक्रिय रूप से ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, जिसमें 5.75% का लो कूपन है। केवल तीन वर्षों में, वित्तीय वर्ष 19-18 में 54ईसी जुटाव 292 करोड़ रुपए (आईएनआर) से बढ़कर वित्तीय वर्ष 17-18 से 1,134 करोड़ रुपए (आईएनआर) हो गया है।



इसके अतिरिक्त, मैं यह बताना चाहूंगा कि पिछले कुछ वर्षों में, पीएफसी रणनीतिक रूप से अल्पावधि के लिए ऋण का विस्तार करके और दीर्घावधि के लिए ऋण लेने पर ध्यान केंद्रित करके अपनी संपत्ति और देयताओं के पोर्टफोलियो को संतुलित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। परिणामस्वरूप, परिसंपत्तियों और देयता की भारत औसत परिपक्वता के बीच का अंतर वि.व. 17-18 में 2.39 वर्ष से वि.व. 19-20 में 1.4 वर्ष हो गया है।

अंतरराष्ट्रीय जुटाव फ्रंट के मामले में, वि.व.19-20 में पीएफसी ने विदेशी बाजारों से 3.05 अरब डॉलर जुटाए थे। इस प्रकार, विविधीकरण पर हमारा ध्यान केंद्रित करते हुए, विदेशी मुद्रा पोर्टफोलियो में अब हमारे ऋण पोर्टफोलियो का 16% शामिल है। इसके अतिरिक्त, बढ़ते विदेशी मुद्रा पोर्टफोलियो से उत्पन्न होने वाले जोखिम को देखते हुए, पीएफसी भी अपने विदेशी ऋण पोर्टफोलियो को सक्रिय करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। अगर हम देखें, तो पीएफसी ने पहले से ही पांच वर्ष तक की अवशिष्ट परिपक्वता वाले पोर्टफोलियो के लिए विनिमय जोखिम का 66% बचाव किया है। इस प्रकार, हम अपने तुलन पत्र को ऐसी विदेशी मुद्रा के उतार-चढ़ाव से बचाने के लिए लगातार ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

अब, अंतिम रूप से, आगे बढ़ने पर, गतिशील कोविड-19 स्थिति को देखते हुए, हम अपनी वित्तीय वर्ष 2021 की योजना की स्पष्ट तस्वीर साझा करने में सक्षम होंगे क्योंकि स्थिति विकसित हो रही है। हालांकि, वर्तमान स्थिति को देखते हुए, पीएफसी पिछले वर्ष की तरह ही अपनी ऋण परिसंपत्ति की वृद्धि को बनाए रखने की उम्मीद कर रहा है। तदनुसार, अपने विकास स्तर को बनाए रखने के लिए, पीएफसी वित्तीय वर्ष 2021 के दौरान पिछले वर्ष के संवितरण स्तर को पार करने की उम्मीद कर रहा है।

इसके अलावा, यह देखते हुए कि नए ऋण देने के अवसर कोविड-19 की स्थिति को देखते हुए सीमित होंगे, 90,000 करोड़ रुपये (आईएनआर) का डिस्काउंट क्रेडिट पैकेज अपनी ऋण परिसंपत्ति की वृद्धि को बनाए रखने के लिए पीएफसी के लिए एक अच्छा व्यावसायिक अवसर है। इसके अतिरिक्त, हमारा ध्यान नवीकरणीय व्यवसाय पर केंद्रित रहेगा।

अब हम प्रश्न उत्तर के लिए तैयार हैं।

प्रश्न एवं उत्तर

संचालक

आपका बहुत बहुत धन्यवाद। अब हम सवाल-जवाब सत्र शुरू करेंगे। (संचालक के निर्देश) पहला प्रश्न आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल पेंशन फंड से राहुल मराठे की ओर से है। कृपया अपना प्रश्न पूछें।

प्रश्न



नमस्कार महोदय, मुझे मौका देने के लिए धन्यवाद। महोदय, आपने बताया कि हमारे पास 90,000 करोड़ रुपए (आईएनआर) की अनुमोदित ऋण योजना है। तो, क्या इसमें डिस्कॉम पैकेज के 45,000 करोड़ रुपए (आईएनआर) भी शामिल है?

पीएफसी प्रबंधन

देखिएं, यह 90,000 करोड़ रुपए (आईएनआर) मूल योजना है। इसलिए, हमें इस चलनिधि पैकेज के आधार पर थोड़ा और ऋण लेना होगा, जिसकी घोषणा भारत सरकार द्वारा की गई है, और इस पर विचार करते हुए अधिस्थगन को भी बढ़ा दिया गया है।

प्रश्न

और बॉण्ड और बैंक ऋण के संदर्भ में यह कैसा मिश्रण होगा?

पीएफसी प्रबंधन

देखिएं, यह बाजार की स्थितियों पर निर्भर करता है। हम उपलब्ध सभी इन्स्ट्रूमेंट्स की निगरानी करेंगे और जो पीएफसी के लिए सबसे सस्ता है, हम इसके माध्यम से निधि जुटाएंगे। लेकिन अभी तक, अधिकतम राशि केवल बॉण्ड के माध्यम से जुटाई गई है।

प्रश्न

तो क्या यह 29,000 करोड़ रुपए (आईएनआर) कि राशि जिसका जुटाव तिमाही 1 में किया गया था क्या वह बॉण्ड के द्वारा किया गया?

पीएफसी प्रबंधन

100% नहीं; लगभग 80% बॉण्ड द्वारा है।

विश्लेषक

जी, बहुत-बहुत धन्यवाद।

संचालक

धन्यवाद। अगला प्रश्न डीएसपी इनवेस्टमेंट मनेजर्स से धवल गड़ा की ओर से है। कृपया अपना प्रश्न पूछिएं।

प्रश्न



नमस्कार महोदय, अवसर के लिए धन्यवाद। मेरे पास केवल दो प्रश्न हैं। पहला प्रश्न स्लाइड 17 पर है। आपने समाधान योजना पर एक अपडेट दिया है। मैं सिर्फ तिमाही के दौरान देखना चाहता था, क्या हमने कोई अपग्रेड या कोई रिकवरी देखी है?

पीएफसी प्रबंधन

देखिए, इस तिमाही में, आप जानते हैं कि आरबीआई ने घोषणा की है कि 28 फरवरी को या उसके बाद ऋण के परिसंपत्ति वर्गीकरण को वैसे ही रखा जाना चाहिए। इसलिए हम 28 फरवरी के बाद ऋण की स्थिति नहीं बदल सकते। इसलिए, 28 फरवरी के बाद कोई बदलाव नहीं हुआ है; 28 फरवरी को जो भी स्थिति थी, अब वही है।

प्रश्न

तो क्या तिमाही के दौरान 28 फरवरी के पहले कोई अपग्रेड या वसूली नहीं हुई है?

पीएफसी प्रबंधन

पिछले वर्ष, हमने दो या तीन मामलों को हल किया है, एक था रतनइंडिया। दूसरा था जीएमआर छत्तीसगढ़, और तीसरा था कॉकण एलएनजी प्राइवेट लिमिटेड। ये तीनों परियोजनाएं पिछले वर्ष तय की गई थीं। इसके अतिरिक्त, कुछ मामले थे, जो निपटान के कगार पर थे, लेकिन इस कोविड स्थिति के कारण ऐसा नहीं किया जा सका। परंतु हम उम्मीद करते हैं कि कुछ समय बाद यह संभव हो जाएगा।

प्रश्न

जी ठीक है। महोदय, मेरा दूसरा प्रश्न यह था कि अगर आप सिर्फ उन 19,200,000 करोड़ रुपए की पारंपरिक उत्पादन के लिए, स्लाइड 19 पर दी गई ऋण संरचना का ब्रेक बता सकें, तो इनमें से सरकारी कितनी है और निजी कितनी है? और इसी तरह, यदि आप नवीकरणीय ऊर्जा के लिए भी ब्रेक दे सकते हैं, तो 19,411 करोड़ रुपए (आईएनआर) सरकारी और निजी कितना है? यह काफी उपयोगी होगा।

पीएफसी प्रबंधन

देखिए, जैसा कि हमने एक स्लाइड में बताया था, कुल ऋण बही में से, 83% सरकारी है एवं 17% निजी क्षेत्र के लिए है।

प्रश्न

जी बिलकुल ठीक। और क्या वह 83/17% भी 2,00,000 करोड़ रुपए भी इसी के लिए है?

पीएफसी प्रबंधन



नवीकरणीय में ज्यादातर निधियन निजी ऋणदाताओं के लिए है। पारंपरिक उत्पादन के लिए यह मिश्रित है परंतु ज्यादातर सरकारी क्षेत्र के लिए ही है।

प्रश्न

जी महोदय। क्या आप बता सकते हैं की इस 2,00,000 करोड़ रुपए में सरकारी क्षेत्र के लिए कितना है?

पीएफसी प्रबंधन

देखिएं, जैसा कि हमने उल्लेख किया है, नवीकरणीय ऋण मुख्य रूप से निजी क्षेत्र के लिए है। जब हम समग्र उत्पादन के बारे में बात करते हैं, तो हम 86% -87% सरकारी कह सकते हैं, बाकी निजी क्षेत्र।

विश्लेषक

जी, धन्यवाद।

संचालक

धन्यवाद। अगला प्रश्न एसबीआई म्यूचुयल फंड से हार्दिक शाह की ओर से है। कृपया अपना प्रश्न पूछें।

प्रश्न

नमस्कार महोदय, मुझे मौका देने के लिए धन्यवाद। सिर्फ दो प्रश्न; इन तीन-चार महीनों के दौरान कलेक्शन की वसूली दर क्या है?

पीएफसी प्रबंधन

देखिए, जैसा कि हमने कहा था कि 70% ने अधिस्थगन का चयन किया है। अतः 30% की वसूली की गई है और बाकी को हमने अधिस्थगन दिया है।

प्रश्न

पर क्या अधिस्थगन में कोई किसी का भी भुगतान नहीं कर रहा है।

पीएफसी प्रबंधन

देखिए, या तो वे चयन करेंगे या वे भुगतान करेंगे। हमने कहा है 30% ने भुगतान कर दिया है तथा 70% ने अधिस्थगन का चयन किया है।

प्रश्न



ठीक, समझ गया। और दूसरा, महोदय, आपके लिए समूह मानदंडों की छूट पर कोई अद्यतन जानकारी या प्रगति है?

पीएफसी प्रबंधन

देखिए, हमने पूर्व में आरबीआई से बात की है और हम उनके जवाब का इंतजार कर रहे हैं। हमें आशा है कि हमें आरबीआई से कुछ सकारात्मक जवाब मिलेगा।

प्रश्न

ठीक, और अंततः एक प्रश्न, तो अब से कई वर्षों में थर्मल कैपेक्स के नीचे गिरने की संभावना है। अतः डिस्कॉम सेगमेंट से अतिरिक्त अन्य वृद्धि अवसर क्या हैं, जिसे आप ऋण देने की सोच रहे हैं?

पीएफसी प्रबंधन

देखिए, जैसा कि हमने उल्लेख किया है कि नवीकरणीय ऊर्जा पहले ही एक अच्छा अवसर है। हमें नवीकरणीय ऊर्जा पुनर्वित्त-पोषण प्रस्ताव प्राप्त हो रहे हैं। बिल्कुल, डिस्कॉम और यह पारेषण वहां हैं। तो हम स्मार्ट शहर, ई-व्हिकल की ओर बढ़ रहे हैं। अतः जहां तक संवितरण एवं ऋण वृद्धि का सवाल है, मैं नहीं मानता कि इस पर कोई मुद्दा नहीं है।

राज्य उत्पादन कंपनियां और साथ ही अन्य निजी थर्मल क्षेत्र, उनके संशोधित पर्यावरणीय मानदंड हैं। अतः उन्हें एफजीडी आदि को इंस्टॉल करना होगा। अतः उस बिजनेस पर हमारी नज़र रहेगी। तब हमारे पास कमीशंड परिसंपत्तियों का पुनर्वित्तपोषण है। तब फॉरवर्ड एवं बैकवर्ड लिंकेज के संबंध में, हम कोयला माइनिंग, ऊर्जा स्टोरेज, और साथ ही चार्जिंग अवसंरचना, सिवेज उपचार संयंत्र एवं वेस्ट-टू-एनर्जी की ओर बढ़ रहे हैं।

प्रश्न

ठीक महोदय। बहुत अच्छा। बहुत-बहुत धन्यवाद।

संचालक

धन्यवाद। अगला प्रश्न एडलविज से महेश शाह की लाइन से है। कृपया प्रश्न पूछें।

प्रश्न

नमस्कार, आपने उल्लेख किया है कि वित्तीय वर्ष 21 के लिए आपके ऋण कार्यक्रमों में कुछ वृद्धि होगी। क्या आप इस पर कुछ कह सकते हैं कि यह कितनी होगी?

पीएफसी प्रबंधन



हमारे पास 90,000 करोड़ रुपए का एक कार्यक्रम है। हालांकि सरकार ने विशेष पैकेज के अंतर्गत डिस्कॉमों के लिए लगभग 45,000 करोड़ रुपए की घोषणा की, लेकिन हमें लगता है कि हमारे नियमित संवितरण में कोविड स्थिति के कारण कमी आ सकती है, जो कि विभिन्न स्थलों पर निर्माण प्रगति में कमी के कारण होगी। अतः पिछले वर्ष हमने लगभग 67,000 करोड़ रुपए के संवितरण किए; निश्चिततः यह पिछली बार से अधिक होगा। लेकिन सटीक आंकड़ों के बारे में अभी कुछ कहना मुश्किल होगा क्योंकि आप जानते हैं कि कोविड चल रहा है और भविष्य में कैसी स्थिति रहेगी यह कहना अभी मुश्किल होगा। लेकिन हम मान रहे हैं कि हमारी समान स्थिति रहेगी जो पिछले वर्ष थी और उससे भी बेहतर हो सकती है।

प्रश्न

ठीक। और इस बारे में कि आप यह कब निर्णय लेंगे कि ऋण कार्यक्रम किस तरह का होगा और इस वर्ष के दौरान कितनी परिपक्वता होंगी?

पीएफसी प्रबंधन

देखिए, जैसा कि हमने उल्लेख किया है कि सामान्यतः हमारी परिपक्वताएं फ्रंट लोड की होती हैं और हम पहले ही अपनी ऋण सर्विसिंग दायित्व का 50% प्राप्त कर चुके हैं। अतः इसलिए हमने जो ऋण लिया है अर्थात् 29,000 करोड़ रुपए प्लस पाइपलाइन में 9,000 करोड़ रुपए का वह केवल सर्विसिंग में ही चला गया।

प्रश्न

ठीक, दूसरे, आपके सीआरएआर अनुपात की बात करें तो ये राज्य गारंटियां क्या नए ऋणों पर होंगी; क्या उन पर कोई जोखिम भार होगा? जैसे कि उसके दौरान बिजनेस में जोखिम भार कैसे कार्य करता है?

पीएफसी प्रबंधन

देखिए, इस 45,000 करोड़ रुपए के ऋण पर सरकार द्वारा गारंटी दी जाएगी और इसलिए इस पर केवल 20% का जोखिम भार होगा।

विश्लेषक

ठीक। धन्यवाद।

संचालक

धन्यवाद। अगला प्रश्न एसबीआई म्युचुअल फंड से निर्मल गांधी की लाइन से है।



कृपया प्रश्न पूछें।

प्रश्न

नमस्कार महोदय। महोदय। मैं दो प्रश्न पूछना चाहता हूँ। पहला कि क्या सरकारी कंपनियों को ऋण देने के लिए हमारी अलग एनपीए नीति है या हम सभी संवितरणों के लिए समान नीति का पालन करते हैं?

पीएफसी प्रबंधन

निजी एवं राज्य क्षेत्र दोनों के लिए, हमारी समान एनपीए नीति है। अतः यदि किसी राज्य-स्वामित्वाधीन डिस्कॉम ने 90 दिन की अवधि के भीतर पैसों का भुगतान नहीं किया होता है तो उसे एनपीए के रूप में वर्गीकृत करते हैं और तदनुसार प्रावधान किए जा रहे हैं। लेकिन किसी भी मामले में, अब तक उन्होंने इस 90 दिन को क्रॉस नहीं किया है। अतः मेरी सभी राज्य सरकारें, या तो चरण 1 या 2 में हैं।

विश्लेषक

अच्छा, अच्छा।

ठीक, महोदय। दूसरी बात मैं आपसे पूछना चाहता हूँ कि ऐसी कई कंपनियां होंगी, जो आपसे प्रत्येक वर्ष ऋण ले रही होंगी। उन कंपनियों के संबंध में, क्या यह हो सकता है कि उन्होंने वर्ष 2017-18, 18-19 और 19-20 में ऋण लिए हैं। अतः हम यह कैसे सुनिश्चित करते हैं कि वे ऋण हमारे ऋणों के पुनर्भुगतान के लिए नहीं ले रहे हैं?

पीएफसी प्रबंधन

हम किसी विशेष परियोजना के लिए ऋणों के अंतर्गत उसे संस्वीकृत एवं संवितरित करते हैं। अतः उस परियोजना में कार्यान्वयन होने के बाद ही हम निधियों का संवितरण करते हैं। देखिए, हमारा मुख्य निधियन परियोजना निधियन अर्थात् परियोजना परिसंपत्ति सृजन के लिए होता है। अतः भुगतान के दोहरिकरण या किसी का कोई सवाल ही नहीं उठता। हम अपने ऋणकर्ताओं के अनुरोध पर आपूर्तिकर्ताओं को सीधा भुगतान भी करते हैं और जिसे उनके द्वारा प्रमाणित किया जाता है।

विश्लेषक

अच्छा, अच्छा। धन्यवाद।

संचालक

धन्यवाद। अगला प्रश्न यूबीएस सिक्योरिटी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड से इशांक कुमार की लाइन से है। कृपया प्रश्न पूछें।



प्रश्न

नमस्कार। महोदय। मौका देने के लिए धन्यवाद। पहला प्रश्न जो मैं पूछना चाहता हूँ वह स्प्रेड पक्ष पर है। इस तिमाही में हमें स्प्रेड में सुधार देखने को मिला क्योंकि निधियों की लागत में कमी आई है, लेकिन उसके चलते ब्याज दरों में भी गिरावट आई है और बैंक दर में कटौती कर रहे हैं। स्प्रेड के आगे बढ़ने पर क्या विचार है? पूर्व में, घटती ब्याज दर स्थिति में हमें थोड़ा मार्जिन प्रेशर देखने को मिला। तो क्या आप उस पर कुछ कह सकते हैं?

पीएफसी प्रबंधन

देखिए, आप जानते हैं कि अभी घटती हुई स्थिति है और हमें निम्न ब्याज दर का हितलाभ भी मिल रहा है। लेकिन बिलकुल तब हमें समग्र स्थिति को देखना होगा। यदि यह बनी रहती है, तो हमें कुछ हद तक अपने ऋणकर्ताओं को हितलाभ देना हो सकता है।

हमें आशा है कि जो स्प्रेड हम अभी अर्जित कर रहे हैं, वह हम केवल इस स्तर के आस-पास बनाए रखेंगे।

हमने चलनिधि को बढ़ाने के लिए अतिरिक्त विंडो के सृजन हेतु वित्त मंत्रालय से भी चर्चा की और हमने एलआईसी, ईपीएफओ आदि के संबंध में रेपो-लिंकड ऋण सुविधाओं और साथ ही दीर्घावधि सुविधाओं पर विचार करने के लिए भी अनुरोध किया है।

प्रश्न

ठीक। इस तथ्य पर कि इस वर्ष हम निम्न स्प्रेड पर करीबन 45,000 करोड़ रुपए का संवितरण करेंगे, तो क्या वित्तीय वर्ष 21 के लिए आपके मन में कोई स्प्रेड लक्ष्य है या उस पर कोई मत है?

पीएफसी प्रबंधन

देखिए, यह 10 वर्ष के लिए 45,000 करोड़ रुपए का ऋण है। हमने 9.50% की ब्याज दर निर्धारित की है। आज की बाज़ार स्थिति को देखते हुए आप समझ सकते हैं कि हम उस पर क्या स्प्रेड अर्जित कर रहे हैं।

प्रश्न

ठीक, ठीक। समझ गया, समझ गया। दूसरा प्रश्न, महोदय, परिसंपत्ति गुणवत्ता पर था। तो हमने इस तिमाही में करीब 400 करोड़ रुपए से अधिक की सकल एनपीए में वृद्धि देखी है, तो क्या आप उस पर कुछ कह सकते हैं।



पीएफसी प्रबंधन

देखिए, यदि हम इस तिमाही की बात करें, तो यहां केवल 107 करोड़ रुपए की बहुत थोड़ी वृद्धि है। यह उस आस्थगित भुगतान गारंटी के कारण है, जिसे हमने किसी एक परियोजना में दिया है और वह भी भौतिकीकरण पर, हमने करीब 100 करोड़ रुपए का भुगतान किया है; यह ही एकमात्र मामला है। इसमें कुछ ओर नहीं जुड़ा है।

संचालक

धन्यवाद। श्री कुमार से अनुरोध है कि अनुवर्ती प्रश्न के लिए कतार को रीजोइन करें। (संचालक अनुदेश) अगला प्रश्न एचडीएफसी मुच्युअल फंड्स से आनंद लड्डा की लाइन से है। कृपया प्रश्न पूछें।

प्रश्न

नमस्कार महोदय। महोदय, बस यह समझना चाहता हूँ, आपने इंगित किया था कि पूंजी पर्याप्तता की गणना के लिए आरबीआई मानदंडों में बदलाव है। यदि आप इस पर प्रकाश डालें कि क्या बदलाव हैं और उसका टायर 1 पूंजी पर क्या प्रभाव है?

पीएफसी प्रबंधन

देखिए, डेरीवेटिव मार्क-से-मार्केट पर हैं अर्थात् हमारा उचित मूल्यन है और जो मेरी निवल आय का भाग है। अब, वे कहते हैं कि इसे निवल आय के भाग के रूप में विचार न किया जाए। इसका मेरी निवल आय पर करीबन 950 करोड़ रुपए का प्रभाव है और इसने सीआरएआर अनुपात पर करीबन 40 बीपीएस तक का प्रभाव डाला है। अन्यथा, यह पिछले वर्ष 17.05% की तुलना में 17.45% होता।

प्रश्न

ठीक, ठीक। महोदय, 950 करोड़ रुपए का यह उचित मूल्य बदलाव, जो आपकी निवल आय पर प्रभाव डाल रहा है, क्या यह मुद्रा पर मार्क-से-मार्केट हानि है या यह हमारे द्वारा लिए गए हैज पोजीशन पर मार्क-से-मार्केट हानि है?

पीएफसी प्रबंधन

यह केवल हैज पोजीशन पर है। यह लाभ है न कि हानि। अतः पहले यह हमारी निवल आय का हिस्सा हुआ करता था; अब यह हमारी निवल आय का भाग नहीं होता है।

प्रश्न

अच्छा ठीक। और महोदय, हमने प्रस्तुतीकरण में 9,000 करोड़ रुपए की एनपीए परिसंपत्ति को आगामी तिमाहियों में समाधान होने की ओर इशारा किया है। क्या आप इस ओर कुछ कह सकते हैं, हमने इस



एक्सपोजर पर कितना प्रावधान किया है? क्या इसमें प्रावधान का कोई रिवर्सल है जो इन परिसंपत्तियों के समाधान-पश्चात हो सकता है?

पीएफसी प्रबंधन

जैसा कि हमने उल्लेख किया है कि यह अंतिम चरण पर है और हमने उपयुक्त प्रावधान किए हैं। जब हम ईसीएल पर कार्य करते हैं, तो यह अनुमानित हानि के आधार पर होती है, अतः हमने उचित प्रावधान किए हैं, जो इन सभी ऋणों के निपटान के लिए अपेक्षित होते हैं।

प्रश्न

ठीक। तो, क्या परिसंपत्तियों के समाधान होने पर प्रावधान के रिवर्सल होने की कोई संभावना नहीं है? हाँ। ठीक। और महोदय, क्या ये 9,000 करोड़ रुपए की परिसंपत्ति हमें कोई ब्याज दे रही हैं?

पीएफसी प्रबंधन

नहीं, ये ब्याज अर्जित नहीं कर रही हैं।

प्रश्न

ठीक। तो मान लें कि इनका 50% एलजीडी पर समाधान होता है, तो क्या हमें 4,500 करोड़ रुपए पर ब्याज मिलना शुरू हो जाएगा?

पीएफसी प्रबंधन

बिल्कुल, बिल्कुल।

प्रश्न

ठीक। और महोदय, हमने 16 और परिसंपत्तियों को इंगित किया है, जो एनसीएलटी के विभिन्न चरणों पर हैं। क्या आप इस पर प्रकाश डाल सकते हैं कि वे कहां हैं और मैं समझता हूँ कि रतन अमरावती का समाधान हो चुका है। यदि आप इस ओर बता सकें कि रतन इंडिया नासिक संयंत्र की स्थिति क्या है?

पीएफसी प्रबंधन

रतन इंडिया का पहले ही समाधान हो चुका है।



रतन इंडिया नासिक, में 17 जून को ऋणदाता बैठक आयोजित की गई; और मूलतः यह पीपीए के परिचालन से संबंधित था जो महाराष्ट्र से 507 मेगावाट के लिए था। अतः इसे पुनर्जीवित किया जाना है और हमने संयंत्र को चलाने के लिए कार्यशील पूंजी प्रदान करने और हस्ताक्षर किए जाने के लिए इस पीपीए हेतु पीजी देने के लिए बैंकों से चर्चा की। पीपीए पर हस्ताक्षर किए जाने हैं।

प्रश्न

ठीक। महोदय, इस समाधान के पश्चात, इस संयंत्र का भी समाधान हो जाएगा, महोदय?

पीएफसी प्रबंधन

तो, देखिए कि यदि पीपीए पुनर्जीवित होता है, तो दो यूनिटों के चलने की संभावना है। तब उसके आगे अन्य यूनिटों का भी रास्ता खुल जाएगा, पीपीए भी उपलब्ध हो जाएंगे और तब परियोजना पुनर्जीवित हो सकेगी। लेकिन जब तक यह पीपीए पुनर्जीवित नहीं होता और अन्य ऋणदाताओं द्वारा कार्यशील पूंजी प्रदान नहीं की जाती है, तब तक चुनौती रहेगी।

संचालक

धन्यवाद। मैं श्री लड्डा से अनुरोध करता हूँ कि वे अनुवर्ती प्रश्न के लिए कतार को रीजोइन करें। अगला प्रश्न आईसीआईसीआई सिक्क्योरिटीज से कुनाल शाह की लाइन से है। कृपया प्रश्न पूछें।

प्रश्न

जी, महोदय। दो प्रश्न हैं। पहला, वृद्धात्मक वाच लिस्ट के बारे में, जो यदि कोई है, हमारे साथ कोविड के कारण है जहां हो सकता है कोई भी पीपीए इश्यू नहीं हैं, लेकिन हो सकता है यह कुछ चलनिधि या डिस्कॉमों के भुगतान न करने के कारण है, क्या हम करीब से निगरानी कर रहे हैं?

पीएफसी प्रबंधन

तो, इस 90,000 करोड़ रुपए के पैकेज के अंतर्गत, डिस्कॉम हमसे ऋण लेंगे। यदि वे नवीकरणीय ऊर्जा संयंत्रों के संबंध में और साथ ही आईपीपी के लिए तथा केंद्रीय विद्युत उत्पादन कंपनियों और साथ ही ट्रांसको के संबंध में देयताओं को पूरा कर देंगे, तो यह उत्पादकों के लिए लंबित देय राशियों का भुगतान करने में मदद करेगा।

प्रश्न

ठीक। और जब हम इस ट्रांजिशनल वित्त को निर्मोचित करते हैं तो क्या यह अधिस्थगन कम हो जाएगा?

पीएफसी प्रबंधन



नहीं, मैं ऐसा नहीं मानता। अधिस्थगन उनकी देय राशियों के भुगतान के लिए है। तो, यह उस अधिस्थगन को कम नहीं करेगा। अधिस्थगन जारी रहेगा।

प्रश्न

ठीक। और टीआरएन एनर्जी की क्या स्थिति है?

पीएफसी प्रबंधन

टीआरएन, केवल यह यूनिट, वास्तव में दोनों यूनिटें नहीं चल रही हैं। अब, इनमें से एक यूनिट लाइन पर है। इस प्रकार, परियोजना के लिए यूपी सरकार से भुगतान किया जाना है।

प्रश्न

महोदय, लेकिन यह हमारे लिए स्टैंडर्ड है।

पीएफसी प्रबंधन

यह चरण 2 है।

प्रश्न

ठीक। यह हमारे लिए चरण 2 में है और हमारा एक्सपोजर कितना है?

पीएफसी प्रबंधन

हमारा 1,146 करोड़ रुपए का एक्सपोजर है।

प्रश्न

ठीक, 1,146 करोड़ रुपए और अंततः मेरा प्रश्न है, मैं नहीं जानता कि यह आपने अपने संबोधन में बताया था या नहीं, इस ट्रांजिशनल वित्त पर क्या स्थिति है। कितना संस्वीकृत किया जा चुका है? अगले तीन माह में हमने कितना संवितरण करने का अनुमान लगाया है? मैं आपके संबोधन को सुन नहीं पाया। बस।

पीएफसी प्रबंधन

तो, हमने लगभग 14,000 करोड़ रुपए के प्रस्ताव प्राप्त किए हैं और हम उसे प्रोसेस कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, विभिन्न डिस्कॉमों ने इच्छा जाहिर की है और जो 69,000 करोड़ रुपए के करीब की हैं।

प्रश्न



यह 14,000 करोड़ रुपए हमारा शेयर है या दोनों ट्रांचों और पीएफसी एवं आरईसी दोनों द्वारा लगाई गई हैं।

पीएफसी प्रबंधन

नहीं, यह पीएफसी, आरईसी, ट्रांच 1, ट्रांच 2, दोनों सहित कुल राशि है।

प्रश्न

ठीक। हमारे पास 14,000 करोड़ रुपए के प्रस्ताव हैं।

पीएफसी प्रबंधन

हाँ। .

प्रश्न

और 69,000 ब्याज है?

पीएफसी प्रबंधन

14,000 करोड़ रुपए सहित

प्रश्न

14,000 करोड़ रुपए सहित। ठीक है। धन्यवाद।

संचालक

धन्यवाद। अगला प्रश्न प्रिंसिपल एसेट मनेजमेंट से अनिर्वन सरकार की तरफ से है। आप प्रश्न पूछें।

प्रश्न

नमस्कार, महोदय। अवसर देने के लिए धन्यवाद। केवल एक प्रश्न। आपने उल्लेख किया कि 70% ने अधिस्थगन का विकल्प चुना है; ये ग्राहकों की संख्या है या कुल बही का प्रतिशत है?

पीएफसी प्रबंधन

देय राशि

प्रश्न



देय राशि। दूसरा प्रश्न है कि आपकी एनपीए मान्यता नीति क्या है? क्या यह 90 डीपीडी की तरह ही है?

पीएफसी प्रबंधन

90 दिनों के बाद, हम चरण 3 के रूप में वर्गीकृत करते हैं और हम चरण 3 परिसंपत्तियों पर किसी भी आय के लिए जिम्मेदार नहीं हैं।

प्रश्न

ठीक है। तो, यह 7.39%, मुझे लगता है, आपने उल्लेख किया है कि आपका एनपीए है; इसलिए, यह कुल 90 डीपीटी बही है?

पीएफसी प्रबंधन

जी बिल्कुल ठीक।

विश्लेष

काफी उचित। धन्यवाद महोदय।

संचालक

धन्यवाद महोदय। अगला प्रश्न इन्वेस्टोर्स एसोसिएट मनेजमेंट से हेरिन शाह की तरफ से है। आप प्रश्न पूछें।

प्रश्न

नमस्ते। आपके समय और मेरे सवाल को सुनने के लिए बहुत बहुत धन्यवाद। मेरे दो सवाल हैं। मेरा पहला प्रश्न था, क्या आप चरण 2 बकेट के गतिविधि पर कुछ प्रकाश डालेंगे? और दूसरा सवाल निधियन से संबंधित था।

तो, जैसा आपने बताया कि आप जो बैंक आदि से ऋण लेने जा रहे हैं, ऐसे मामले में ऋण कार्यक्रम काफी हद तक बाजार की स्थितियों पर निर्भर है। विभिन्न बकेट्स के संदर्भ में आपके पास किस सीमा तक प्रतिबंध है, जैसे कि यह विदेशी मुद्रा या घरेलू या यहां तक कि बॉण्ड, ऋण आदि के बीच घरेलू रूप में हो। वह उपयोगी होगा।

पीएफसी प्रबंधन



देखिएं, जहां तक विदेशी मुद्रा का संबंध है, आरबीआई द्वारा निर्धारित एक सीमा है जो स्वचालित मार्ग के अंतर्गत है। स्वचालित मार्ग से परे कोई भी विदेशी मुद्रा के लिए, हमें आरबीआई के पास जाना होगा और एक विशिष्ट अनुमोदन लेना होगा। लेकिन जहां तक आंतरिक तंत्र का सवाल है, इसकी कोई सीमा नहीं है और हम अपने लिए उपलब्ध सबसे सस्ते ऋण की मांग कर रहे हैं। और हमें सबसे सस्ता ऋण जहां से मिलेगा, उस स्रोत जैसे घरेलू बॉण्ड, सावधि ऋण, विदेशी मुद्रा आदि से हम ऋण लेंगे।

प्रश्न

ठीक है। और हां, माफ कीजिए अगला प्रश्न चरण 2 पर था।

पीएफसी प्रबंधन

देखिएं, हमारे पास चरण 2 में लगभग 32,000 करोड़ आईएनआर हैं। और बहुसंख्यक ऋण राज्य सरकार के हैं। इस कोविड के कारण दो राज्य हमें भुगतान नहीं कर सके, इसीलिए वे चरण 2 में स्थानांतरित हो गए। लेकिन मार्च के बाद, हमें 90% भुगतान मिला है और यह अगली तिमाही में चरण 2 से बाहर हो जाएगा।

प्रश्न

ठीक है। और अगर आप इसका उपयोग नहीं करते हैं, तो क्या निजी पक्ष से कुछ हुआ है, जो चरण 2 में बढ़ गया है?

पीएफसी प्रबंधन

देखिए, निजी क्षेत्र में पहले से ही दो या तीन पार्टियां हैं। एक हमने पहले ही टीआरएन का उल्लेख किया है और अन्य छोटी राशि हैं। डिस्कॉम द्वारा भुगतान करने में देरी के कारण यह चरण 2 बन गया है। लेकिन हमें यकीन है कि एक बार जब हम डिस्कॉम को भुगतान जारी कर देंगे, तो फिर से यह चरण 2 से बाहर हो जाएगा।

प्रश्न

इसलिए, केवल पुष्टि करने के लिए कि यदि आप उन दो राज्य सरकार के ऋणों को छोड़ते हैं, तो क्या मूल रूप से चरण 2 में कोई गतिविधि नहीं हुई है?

पीएफसी प्रबंधन



देखिए। हाँ, क्योंकि एक और निजी क्षेत्र है, जिसका नाम मैं अदालत के प्रतिबंधों के कारण बता नहीं सकता और वह भी चरण 2 में चला गया है। यह 1000 करोड़ रुपए (आईएनआर) के आसपास होगा। ठीक है, इनके अलावा, ऐसा कोई निजी क्षेत्र नहीं है जो चरण 2 में है।

विश्लेषक

ठीक है। बहुत-बहुत धन्यवाद।

संचालक

धन्यवाद। (संचालक निर्देश) अगला प्रश्न डाइवा केपिटल मार्केट से पुनीत श्रीवास्तव की ओर से है। आप प्रश्न पूछिए।

प्रश्न

नमस्कार। महोदय, अधिस्थगन के बारे में आपने कहा कि 70% बकाया राशि अधिस्थगन के अंतर्गत है। महोदय, क्या ऋण बही के आधार पर इसकी मात्रा तय करना संभव होगा, यह कितना होगा?

पीएफसी प्रबंधन

हमारे पास 3,50,000 करोड़ रुपए (आईएनआर) की ऋण बही है और हमने 20,000 करोड़ रुपए (आईएनआर) के आसपास ही अधिस्थान दिया है। तो, आप लगभग 7%-8% के साथ काम कर सकते हैं।

प्रश्न

सर, नकद / देय आधार पर, यह 70% है, लेकिन ऋण के आधार पर यह केवल 20,000 करोड़ रुपए (आईएनआर) होगा। क्योंकि अन्य लोग निधियन के विभिन्न चरणों में हो सकते हैं; इसीलिए, शायद। और महोदय, यह 20,000 करोड़ रुपए (आईएनआर) ज्यादातर डिस्कॉम के लिए है?

पीएफसी प्रबंधन

यह मिश्रित है। यह शायद कुछ जनरेशन कंपनी भी है, निजी क्षेत्र भी। मेरे पास अभी मिक्स अप का ब्रेक अप नहीं है।

प्रश्न



ठीक। और महोदय, क्या आपको इस अधिस्थगन के लिए किसी तरह के निधियन की आवश्यकता होगी, खासकर अगर वे आगे बढ़ते हैं या आपको लगता है कि परिसंपत्ति देयता आवश्यकता के मामले में किसी अतिरिक्त निधि की आवश्यकता नहीं है?

पीएफसी प्रबंधन

देखिए, जहां तक चलनिधि का सवाल है, आरबीआई एक एलटीआरओ योजना लेकर आया है। इसलिए, हमें एलटीआरओ में एक अच्छी राशि मिली, जो केवल इस अधिस्थगन के लिए है। अन्यथा भी, बाजार में पर्याप्त चलनिधि है। इसलिए, हम इस बात की चिंता नहीं करते हैं कि धन जुटाने में कोई समस्या है।

प्रश्न

बिलकुल ठीक महोदय। और महोदय, तिमाही के दौरान यह प्रावधान राशि। क्या आप मुझे ब्रेकअप दे सकते हैं, क्या यह एनपीएल की वजह से ऐसा हुआ?

पीएफसी प्रबंधन

काल-प्रभावान?

प्रश्न

मेरा मतलब है कि एनपीएल साइस्जिंग के कार्यकाल के संदर्भ में, इसीलिए आपने तिमाही के दौरान उच्च प्रावधान किया है क्योंकि इस तरह का कोई एनपीएल नहीं था?

पीएफसी प्रबंधन

इसलिए, हम ईसीएल मॉडल के आधार पर प्रावधान करते हैं और समय के आधार पर नहीं।

प्रश्न

ठीक है। और महोदय, क्या आप अपने पोर्टफोलियो में राज्य सरकार द्वारा गारंटीकृत कुल ऋणों की मात्रा निर्धारित कर सकते हैं?

पीएफसी प्रबंधन

राज्य सरकार लगभग 2,87,000 करोड़ रुपए (आईएनआर) है।

प्रश्न

नहीं। महोदय, मेरा मतलब है राज्य सरकार गारंटीकृत ऋण?



पीएफसी प्रबंधन

कुल सरकारी ऋण 2,87,000 आईएनआर हैं और आप इस बात पर विचार कर सकते हैं कि राज्य सरकार द्वारा इसकी गारंटी 20%-22% है।

विश्लेषक

ठीक है, महोदय। धन्यवाद। मैं दोबारा आपसे चर्चा करूंगा।

संचालक

धन्यवाद। अगला प्रश्न एलारा से महरूख अदजानिया की ओर से है। आप प्रश्न पूछिए।

प्रश्न

जी। नमस्कार महोदय। लैंको ग्रुप परियोजना की क्या स्थिति है? क्या उनमें से किसी का भी समाधान हुआ है?

पीएफसी प्रबंधन

नहीं, यह फिलहाल एनसीएलटी में है। हमारे पास लैंको अमरकंटक की एक परियोजना के लिए एक्सपोजर है, और जिसे सितंबर 2019 में एनसीएलटी में दर्ज किया गया था और आरएफपी जारी किया गया है और समाधान योजना 15 जुलाई तक मांगी गई है। हमें 11 पार्टियों से ब्याज मिला है।

प्रश्न

जी। और महोदय एक और सवाल कि जयप्रकाश ग्रुप में आपके पास क्या एक्सपोजर हैं? और उसकी स्थिति क्या है?

पीएफसी प्रबंधन

जयप्रकाश ग्रुप में हमारे पास कोई एक्सपोजर नहीं हैं।

विश्लेषक

जी। धन्यवाद महोदय।

संचालक

धन्यवाद। अगला प्रश्न एचएसबीसी से जयप्रकाश बिसनी की ओर से है। आप प्रश्न पूछिए।



प्रश्न

जी नमस्कार। मेरा सवाल लेने के लिए धन्यवाद। मेरे दो सवाल हैं। इस वर्ष के लिए डॉलर बॉण्ड जुटाने का लक्ष्य क्या होगा? आपने कहा था कि पिछले वर्ष 3 बिलियन डॉलर जुटाए गए? और दूसरा सवाल है कि क्या एनपीएल में वर्तमान में कोई चरण 3 नवीकरणीय परिसंपत्ति हैं?

पीएफसी प्रबंधन

नवीकरणीय केवल 10 करोड़ रुपए (आईएनआर) से 15 करोड़ रुपए (आईएनआर) की बहुत कम राशि है जो केवल चरण 3 में है। वे मुख्य रूप से केवल जनरेशन / ट्रांसमिशन साइड पर हैं। इसके अतिरिक्त आरएस इंडिया, जो एक नवीकरणीय परियोजना थी, उसका हमने समाधान कर दिया।

प्रश्न

क्या डॉलर बॉण्ड के लिए इस वर्ष कोई लक्ष्य है?

पीएफसी प्रबंधन

हमारी नज़र बाज़ार पर है और सही समय पर, हम बिल्कुल अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में बॉण्ड जारी करेंगे।

विश्लेषक

जी। धन्यवाद, महोदय।

संचालक

धन्यवाद। अगला प्रश्न डाइवा केपिटल मार्केट से पुनीत श्रीवास्तव की ओर से है। आप प्रश्न पूछिए।

प्रश्न

जी महोदय। फिर से अवसर देने के लिए धन्यवाद। महोदय, नए सीएमडी महोदय से मेरा एक प्रश्न है, जिसे जानने के लिए हमें रुचि होगी कि आप संगठन में नए सीएमडी के रूप में किस तरह के अवसर देख रहे हैं? और आगे आप किस तरह की चुनौतियाँ देखते हैं, यदि आप व्यापक परिप्रेक्ष्य दे सकते हैं?

पीएफसी प्रबंधन

पीएफसी एक बड़ा संगठन है और हम पहले की तरह ही नीतियों को जारी रखना चाहते हैं। और विकास के संबंध में, जैसा कि मैंने पहले ही संकेत दिया था, हम इंफ्रास्ट्रक्चर करने और फिर नई परियोजनाओं को पुनर्वित्त करने, अपने पोर्टफोलियो में अच्छे ऋणकर्ताओं की तलाश कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त,



पर्यावरण संबंधी दिशानिर्देशों को लागू किया जाना है, इसलिए हम इन एफजीडी और अन्य पर्यावरणीय संबंधी को निधि देना चाहेंगे। और हम ई-वाहनों के वित्तपोषण की भी तलाश कर रहे हैं। तो, ये नए अवसर हैं। अपशिष्ट-से-ऊर्जा भी, हम करना चाहेंगे। सौर विनिर्माण के संबंध में भी हमें कुछ आवेदन मिले हैं और हम देख रहे हैं कि क्या हम इन परियोजनाओं को निधि दे सकते हैं।

प्रश्न

ठीक है महोदय। धन्यवाद। और महोदय, सिर्फ एक और सवाल अगर आप हस्तक्षेप कर सकते हैं। महोदय, कोविड- संबंधित प्रभाव के कारण, क्या आपके लिए वित्तीय वर्ष '21 या क्रेडिट लागत में प्रावधानों पर कुछ मार्गदर्शन देना संभव है? आप कैसे देखते हैं यह देखते हुए कि संभवतः कटौती कि जा रही है, क्या आपको लगता है कि यह अनुमान से अधिक होगा; और इस संदर्भ में, क्या आपको इस वर्ष अधिक क्रेडिट लागत दिखाई दे रही है?

पीएफसी प्रबंधन

इसलिए, इस दबावग्रस्त परिसंपत्ति के समाधान में देरी हुई है, लेकिन आगे बढ़ते हुए, हम देखते हैं कि हमें जो कुछ भी पहले मिल रहा था, उसे प्राप्त करने में सक्षम होना चाहिए।

पीएफसी प्रबंधन

मैं यहां बताना चाहूंगा कि हम ईसीएल कार्यप्रणाली अर्थात् प्रत्याशित क्रेडिट हानि का अनुसरण कर रहे हैं। हम इसकी त्रैमासिक आधार पर समीक्षा करते हैं, जब भी हम त्रैमासिक लेखा बनाते हैं। इसलिए हम जो भी अपेक्षित नुकसान देते हैं, वह उस तिमाही में दर्ज होता है।

प्रश्न

और महोदय, एक आखिरी सवाल महोदय, यह फिर से आरईसी के साथ विलय पर सवाल है, क्या कोई भी अपडेट है? और आरईसी के साथ विलय के बावजूद, आप किस तरह के अवसरों को देखते हैं?

पीएफसी प्रबंधन

इसलिए, विलय के संबंध में, हमने विद्युत मंत्रालय में डेलॉइट द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत की थी और उनके द्वारा इसे देखा जा रहा है। और सहक्रियाओं को संभव बनाने के लिए, हम आरईसी के साथ क्रेडिट नीतियों सहित आम नीतियों के लिए बातचीत कर रहे हैं। रेटिंग के संबंध में भी, हमने आरईसी को यह संकेत दिया है कि हमारे पास राज्य क्षेत्र के संबंध में समान रेटिंग पद्धति होनी चाहिए। हम इस संदर्भ में आगे कार्य कर रहे हैं।



विश्लेषक

जी महोदय। धन्यवाद।

संचालक

धन्यवाद। अगला प्रश्न एडेलविस से प्रखर अग्रवाल की तरफ से है। कृपया प्रश्न पूछें।

एडेलविस की ओर से प्रखर अग्रवाल जी, आपकी लाइन टॉक मोड में है। कृपया आप प्रश्न पूछें। आप अपने हैंडसेट से खुद को अनम्यूट करें और अपना सवाल पूछें? कोई प्रतिक्रिया नहीं होने के कारण, हम अगले प्रश्न पर जाएंगे।

अगला प्रश्न एल एंड टी म्यूचुअल फंड्स से सुंदीप अलामराजु की तरफ से है। कृपया प्रश्न पूछें।

प्रश्न

हां, जी महोदय। धन्यवाद। मेरा प्रश्न भी इस विलय की स्थिति पर ही था। तो जब आप उसकी स्थिति प्राप्त करते हैं, विशेष रूप से आप किस समयरेखा को देख रहे हैं? क्योंकि कहीं न कहीं मैंने पढ़ा था कि आप ति1 वि.व. '21 को टाइमलाइन के रूप में देख रहे हैं। इसलिए, ऐसी कोई भी चुनौती जो आपको पूर्वाभास कराती है, उस पर आप अपने विचार बताएं?

पीएफसी प्रबंधन

हम विलय से संबंधित किसी टाइमफ्रेम के बारे में बता नहीं सकते, क्योंकि ये भारत सरकार का निर्णय है।

प्रश्न

जी। परंतु यदि आप प्रगति के बारे में कुछ भी बता सके।

पीएफसी प्रबंधन

जैसा कि मैंने आपको सहक्रियाओं में लाने के लिए कहा था, हम अपनी पॉलिसी को संरेखित करने के लिए आरईसी के साथ बातचीत कर रहे हैं, हमारी रेटिंग पद्धति को संरेखित कर रहे हैं और परियोजनाओं के संबंध में भी, हम देख रहे हैं कि हम कैसे सहयोग कर सकते हैं और परियोजनाओं को निधि दे सकते हैं। ऋण लेने पर भी, हम उनके साथ बातचीत कर रहे हैं, ताकि हम देखें कि ऋण भी बेहतर तरीके से समन्वित है।

विश्लेषक



जी। धन्यवाद। मेरी तरफ से इतना ही।

संचालक

धन्यवाद। अगला प्रश्न डीएसपी म्यूचुअल फंड से चिराग सुरेखा की ओर से है। कृपया अपना प्रश्न पूछें।

प्रश्न

नमस्कार महोदय। आपने, शुरुआत में उल्लेख किया था कि आपके विदेशी ऋण का 66% हेजिंग है; क्या यह इसलिए है क्योंकि आप केवल पांच साल तक ही हेज करते हैं? क्या मैंने इसे सही समझा?

पीएफसी प्रबंधन

जरूरी नहीं। हम केवल उन ऋणों को हेज करते हैं जिनकी पांच साल की परिपक्वता शेष है। क्योंकि यदि आप देखें कि दीर्घावधि के लिए हेजिंग के लिए बाजार में अच्छी मांग नहीं है, तो आम तौर पर केवल उन ऋणों को प्राथमिकता दें, जिनकी परिपक्वता अवधि पांच साल या उससे कम हो।

प्रश्न

ठीक है महोदय। और अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसियों पर एक और सवाल है कि पूंजी पर्याप्तता निचले पक्ष पर है। तो, क्या पूंजी जुटाने पर कोई विचार प्रक्रिया सामने आई है?

प्रश्न

देखिए, जहां तक पूंजी पर्याप्तता का सवाल है, केवल इक्विटी ही क्यों; हमारे लिए अन्य विकल्प उपलब्ध हैं, जैसे कि हम सतत बॉण्ड के माध्यम से भी जारी कर सकते हैं। इसलिए यदि उचित समय पर, हमें लगता है कि आगे पूंजी की आवश्यकता है, तो हम उस विकल्प का उपयोग करेंगे।

ठीक महोदय। मेरी ओर से इतना ही है। धन्यवाद।

संचालक

धन्यवाद, देवियों और सज्जनों। समय के अभाव के कारण यह अंतिम प्रश्न था। मैं अब सुश्री श्वेता दफ़्तरदार को सम्मेलन समाप्ती के लिए अनुरोध करता हूँ।

धन्यवाद। प्रभुदास लीलाधार की ओर से मैं पीएफसी प्रबंधन को धन्यवाद करती हूँ। आप सभी का धन्यवाद।

पीएफसी प्रबंधन



धन्यवाद।

पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड
ति 4 वि व 19-20 ट्रांसक्रिप्ट
